No. of Printed Pages : 4

BSKC–132

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत
(बी.ए.जी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2026

बी.एस.के.सी.-132 : संस्कृत गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. अधोलिखित गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : $2\times20=40$

(क) एवं विधयापि चानया दुराचारया कथमपि दैववशेन परिगृहीताः विप्लवा भवन्ति राजनः, सर्वाविनयाधिष्ठानतां च गच्छन्ति। तथाहि अभिषेकसमय एव चैतेषां मङ्गलकलशजलैरिव

प्रक्षाल्यते दाक्षिण्यम्। अग्निकार्यधूमेनेव मलिनीक्रियते हृदयम्, पुरोहितकुशाग्रसम्मार्जनीमिरिव अपहृियते क्षान्तिः, उष्णीषपट्टबन्धेनेव आच्छाद्यते जराग-मनस्मरणम् आतपत्रमण्डलेनेव अपसार्यते।

अथवा

जातुषाभरणानीव सोष्माणं न सहन्ते, दुष्टवारणा इव महामानस्तम्भनिश्चलीकृताः न गृह्णन्ति उपदेशम्, तृष्णाविषमूर्च्छिताः कनकमयमिव सर्वं पश्यन्ति, इषव इव पानवर्धिततै क्षव्याः परप्रेरिताः विनाशयन्ति दूरस्थितान्यपि फलानीव दण्डनिक्षेपैः महाकुलानि शातयन्ति।

(ख) यावदेष ब्रह्मचारी बटुरलिपुञ्जमूद्धूय कुसुमको-रकानवचिनोतिः तावत् तस्यैव सतीर्थ्योऽपरस्तत्समान-वयाः कस्तूरिका-रेणु-रुषित इव श्यमः, चन्दन-चर्चित-भालः कर्पूरागुरु-क्षोद-च्छुरित-वक्षो-बाहु-दण्ड, सुगन्ध-पटलैरुन्निद्रयन्निव निद्रा-मन्थराणि कोरक-निकुरम्बकान्तराल-सुप्तानि मिलिन्द-वृन्दानि झटिति समुपसृत्य निवारयन् गौरबटुमेवमवादीत्।

अथवा

भगवन् ! श्रूयतां यदि कुतूहलम्। ह्यः सम्पादित–साय–न्तन–कृत्ये, अत्तैव कुशाऽऽस्तरणमधिष्ठिते मयि, परितः समासीनेषु छात्रवर्गेषु धीर–समीर–स्पर्शेन मन्दमन्दमान्दोल्यमानासु व्रततिषु समुदिते यामिनी–कामिनी–चन्दनबिन्दौ इव इन्दौ, कौमुदीकपटेन सुधाधारामिव वर्षति गगने, अस्मन्नीतिवार्ता शुश्रूषुषु इव मौनमाकलयत्सु–पतंगकुलेषु–कैरव–विकाश–हर्ष–प्रकाश–मुखरेषु।

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 700 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए।* $2\times15=30$

2. गद्य काव्य के भेदों का वर्णन कीजिए।

अथवा

आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय के व्यक्तित्व और कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

3. 'शिवराजविजय' में वर्णित रघुवीर सिंह के व्यक्तित्व को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'शुकनासोपदेश' के आधार पर गुरु–उपदेश के महत्व को अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **250** शब्दों में लिखिए। $5 \times 6 = 30$

4. संस्कृत गद्यकाव्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
5. दण्डी की रचनाओं का वर्णन कीजिए।
6. 'शुकनासोपदेश' के अनुसार लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
7. अम्बिकादत्त व्यास के कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।
8. सुबन्धु की भाषाशैली पर प्रकाश डालिए।
9. हितोपदेश पर टिप्पणी लिखिए।
10. 'शिवराज विजय' में वर्णित मुनि के स्वरूप को अपने शब्दों में लिखिए।

× × × × ×